SAURASHTRA UNIVERSITY

RAJKOT

(ACCREDITED GRADE "A" BY NAAC)

FACULTY OF ARTS

Syllabus for

M.Phil. (HINDI)

Choice Based Credit System

With Effect from: 2016-17

पाठ्यक्रम उपलब्धियाँ (Programme Outcomes-POs):

POs 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों में राष्ट्रीय भावना उजागर होती है।

POs 2. ऐतिहासिक और तुलनात्मक अनुसंधान के द्वारा छात्रों में भारतीयता की समझ विकसित होती है।

POs 3. आधुनिक औद्योगिक संस्कृति, अंतर्राष्ट्रीयता तथा मार्क्सवाद के अध्ययन द्वारा साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि स्पष्ट होती है।

POs 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रगण भारतीय विविध वैचारिक आंदोलनों, धर्म साधनाओं एवं विभिन्न समाज–सुधार आंदोलनों का परिचय प्राप्त कर सकते हैं ।

POs 5. छात्रों को विविध विधाओं में लिखित रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से सांप्रदायिकता, भारत–विभाजन की त्रासदी, राजनैतिक चेतना, पौराणिकता, मिथकीयता, विविध सामाजिक समस्याओं को समझने में सहायता मिलती है।

POs 6. छात्रों को प्रशिष्ट कृतियों के अध्ययन द्वारा तत्कालीन परिवेश की प्रासंगिकता स्पष्ट होती है।

POs 7. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार की परंपरा से अवगत कराया जा सकता है।

POs 8. छात्रों में शिक्षागत मूल्यों की स्थापना होती है।

POs 9. प्रस्तुत पाठ्यगत मुद्दों के अध्ययन से छात्रों को भारतीय योग–साधना का परिचय प्राप्त होता है।

पाठ्यक्रम विशिष्ट उपलब्धियाँ (Programme Specific Outcomes-PSOs) :

PSOs 1. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों में सृजनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा का विकास होता है।

PSOs 2. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों में शोध–वृत्ति का विकास होता है।

PSOs 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्र–गण शोध–स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

PSOs 4. विदेशी रचनाओं के अध्ययन के द्वारा छात्र वैश्विक विभिन्न विचारधारा एवं साहित्य स्वरूपों का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

PSOs 5. छात्रों द्वारा किए गए अनुसंधान के द्वारा शोध–कृति का उद्देश्य स्पष्ट होता है जो राष्ट्रीय स्तर पर उपयोगी होती है।

PSOs 6. भारत की विभिन्न धर्म साधनाएँ, राष्ट्रीयता, स्वतंत्रता आंदोलन तथा गांधीवाद और भारतीय संविधानिक व्यवस्था आदि को समझने में प्रस्तुन पाठ्यक्रम छात्रों को उपयोगी होता है।

PSOs 7. भारत की हिन्दी भाषा में रचित विविध रचनाओं का अध्ययन करने से तत्कालीन परिस्थिति तथा समस्याओं की प्रासंगिकता स्पष्ट होती है।

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय

एम.फिल.(हिन्दी) पाठ्यक्रम

क्रम	कक्षा स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार CHN (मुख्य) EHN (ऐच्छिक)	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक /मौखिकी अंक	कुल अंक
१	अनुस्नातक	प्रथम	CHN-1001 (मुख्य)	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया	०१	०४	३०	७०	–	१००
२	अनुस्नातक	प्रथम	CHN-1002 (मुख्य)	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	०२	०४	३०	७०	–	१००

३	अनुस्नातक	द्वितीय	EHN-1001 (ऐच्छिक)	हिन्दी साहित्य की विविध विधाएँ	०३	०४	३०	७०	–	१००
अथवा										
४	अनुस्नातक	द्वितीय	EHN-1001 (ऐच्छिक)	प्रशिष्ट कृतियाँ	०३	०४	३०	७०	–	१००
५	अनुस्नातक	द्वितीय	CHN-1003 (मुख्य)	लघुशोध प्रबंध लेखन	०४	०४	–	२००	–	२००

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1001 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१७	०१	०३	०१	०३	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	CHN-1001 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. पाठ्यक्रम संबंधी शोध–प्रविधि का ज्ञान प्राप्त करें ।
COs 2. छात्रगण शोध के विविध आयामों को समझें ।
COs 3. पाठ्यक्रम संबंधी छात्रगण शोध–प्रबंध का प्रारूप समझे ।
COs 4.छात्रगण शोध–विषय की विविध शोध पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करें ।
COs 5. पाठ्यक्रम संबंधी छात्र शोध–प्रबंध के विश्वविद्यालय के नियमों को जानें ।
COs 6. छात्रगण कृति की समालोचना के बारे में विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	▪ अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य	▪ अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियाँ
		▪ अनुसंधान के प्रकार : – साहित्यिक अनुसंधान – तुलनात्मक अनुसंधान – क्षेत्रीय अनुसंधान – मनोवैज्ञानिक अनुसंधान – ऐतिहासिक अनुसंधान – शैली–वैज्ञानिक अनुसंधान – भाषा–वैज्ञानिक अनुसंधान – समाजशास्त्रीय अनुसंधनान ▪ अनुसंधान : शोध और आलोचना	▪ अनुसंधान की प्रक्रिया ▪ अनुसंधान के विविध सोपान ▪ शोध के पर्यायवाची शब्द ▪ शोध निर्देशक के गुण ▪ शोधार्थी के गुण
		▪ हिन्दी अनुसंधान में सम्बन्ध–विषयों की भूमिका	▪ पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत
		▪ हिन्दी शोध–प्रबंध का प्रारूप	
	ईकाई–२	▪ साहित्य अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	▪ साहित्य का महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार
		▪ समालोचना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	▪ समालोचना के प्रकार :– साहित्यिक समालोचना – अवलोकनीय समालोचना – सर्वेक्षणात्मक समालोचना – प्रश्नावली/मतावली सर्वेक्षण समालोचना
		▪ साहित्यिक समालोचना – गद्य–कृतियों की समालोचना – पद्य–कृतियों की समालोचना – गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना	▪ गद्य कृतियों की समालोचना – नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण की समालोचना
		▪ पद्य कृतियों की समालोचना – महाकाव्य, खण्डकाव्य, –गीतिकाव्य, वीरकाव्य, – स्फूटकाव्य आदि की समालोचना	▪ गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना : चम्पू काव्य की समालोचना
	ईकाई–३	▪ प्रस्तावना (कृतिकार की प्रतिष्ठा, रचना काल, वैचारिकता आदि का संक्षिप्त ब्यौरा)	▪ कृतिकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		▪ कृति (समालोचना संबंधी) की संक्षिप्त कथावस्तु	▪ कृति का रचना समय
		▪ कृतिकार पर अन्य साहित्य–सर्जक एवं विचारकों का प्रभाव	▪ कृति में कृतिकार की वैचारिकता
		▪ रचना की समकालीनता	▪ कृति द्वारा कृतिकार का भाव–बोध
		▪ कथा, पात्र, संवाद, वातावरण द्वारा समाज का संदेश	▪ कृति का निष्कर्ष–निष्पादन
		▪ समापन	
	ईकाई–४	▪ शोध–प्रबंध का मुखपृष्ठ–स्वरूप एवं टंकण	▪ शोध–प्रबंध की प्रामाणिकता–प्रमाणपत्र – प्रारंभिक विद्यावाचस्पति मौखिकी प्रमाणपत्र – निर्देशक का घोषणापत्र – शोधार्थी का घोषणापत्र – निर्देशक एवं शोधार्थी का शोध–सत्यापन प्रमाणपत्र
		▪ शोध–प्रबंध की प्रस्तावना – विषयचयन – विषयचयन की प्रेरणा – शोध–विषय का महत्त्व – शोध–विषय की विशेषता – शोध–विषय की प्रासंगिकता – पूर्ववर्ती शोध–कार्य – परवर्ती शोध–कार्य – सामग्री–संकलन – शोध–प्रबंध का अध्याय विभाजन – अनुक्रमणिका – पृष्ठ–क्रमांक – पृष्ठ–सज्जा – शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण – संदर्भ सूची – संदर्भ ग्रंथ सूची : आधार–ग्रंथ सहायक ग्रंथ–पत्र–पत्रिकाएँ–शब्दकोश –वेबसाईट–साक्षात्कार–चित्र–सज्जा–तस्वीर इत्यादि	शोध–प्रबंध प्रस्तुतिकरण ▪ शोध–प्रबंध रूपरेखा (सिनोप्सीस) : – टंकण कार्य – वर्ण–लिपि– वर्ण आकार–कद– हस्ताक्षर – शोध–प्रबंध रूपरेखा प्रस्तुत–शुल्क, सत्र शुल्क
		▪ शोध–प्रबंध मौखिकी – प्रारंभिक विद्यावाचस्पति मौखिकी (Pre-Ph.D. Viva-voce) – विद्यावाचस्पति मौखिकी (Ph.D. Viva-voce)	▪ विद्यावाचस्पति घोषणापत्र (Ph.D. Notification)
		▪ शोध–उपाधि प्रमाणपत्र (Ph.D. Degree Certificate)	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	

अंक	क्रेडिट
नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – प्रयोगात्मक अनुसंधान – पृष्ठ हांसिया – क्रियात्मक अनुसंधान – शोध-प्रबंध रूपरेखा प्रतियाँ – साक्षात्कार समालोचना – शोध-विषय की परिसीमा – निर्णयात्मक समालोचना – कृतज्ञताज्ञापन		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शांति प्रकाशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

(१) अनुसंधान की प्रविधि – डॉ. सावित्री सिन्हा – प्र. नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(२) हिन्दी संशोधन की रूपरेखा – डॉ. मनमोहन सहगल – पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(३) शोध-प्रविधि – डॉ. विनय मोहन शर्मा – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(४) शोध-तत्व और दृष्टि – सं. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
(५) हिन्दी अनुसंधान के आयाम – डॉ. राजूरकर, डॉ. वोरा – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(६) नवीन शोध विज्ञान – डॉ. तिलक सिंह – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(७) तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ – डॉ. राजपाल वोरा – डॉ. रजूरकर – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(८) हिन्दी अनुसंधान – डॉ. विजयपालसिंह – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(९) The art of Literary Research- Richard D. Altick (Norten & Co. Newyork)
(१०) अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया – सं. विनयकुमार पाठक – मितल एण्ड संस, ८०-विजय ब्लोक, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-११००९२

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय
एम.फिल.(हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1002 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१७	०१	०३	०१	०३	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	CHN-1002 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- COs 1. छात्रगण साहित्य सृजन के संदर्भ में विचारधारा के महत्त्व को समझें ।
- COs 2. छात्रगण मध्ययुगीन बोध और विभिन्न धर्म साधनाओं की भूमिका को विस्तार से जानें ।
- COs 3. छात्रगण हिन्दी साहित्य से सम्बन्धित विशिष्ट मतवाद के सवरूप को जानें ।
- COs 4. आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति का स्वरूप समझें ।
- COs 5. छात्रगण राष्ट्रीयता और अंतर्राष्ट्रीयता के स्वरूप को जानें ।
- COs 6. छात्रगण भारत के राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन के संदर्भ में पुनर्जागरण और लोक जागरण का महत्त्व समझें ।
- COs 7. छात्रों को साहित्य के संदर्भ में समाजशास्त्र, इतिहास दर्शन, मनोवैज्ञानिक दर्शन तथा सांस्कृतिक अध्ययन की अवधारणा विदित हो ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	विचारधारा और साहित्य	विचारधारा और साहित्य
		मध्ययुगीन बोध का स्वरूप	मध्ययुगीन बोध का स्वरूप
		विभिन्न धर्म साधनाएँ	विभिन्न धर्म साधनाएँ
		मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य–वैषम्य, परम्परा और आधुनिकता	मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य–वैषम्य, परम्परा और आधुनिकता
	ईकाई–२	आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति,	आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति,
		राष्ट्रीयता और अन्तर्राष्ट्रीयता	राष्ट्रीयता और अन्तर्राष्ट्रीयता
		पुनर्जागरण	पुनर्जागरण
		पुनस्थापन और हिन्दी लोक जागरण, भारतीय राष्ट्रीय स्वातंत्रता आन्दोलन	पुनस्थापन और हिन्दी लोक जागरण, भारतीय राष्ट्रीय स्वातंत्रता आन्दोलन
	ईकाई–३	हिन्दी साहित्य के संबंध विशिष्ट मत वाद एवं विचार धारा : अस्तित्व वाद, आध्यात्मवाद, मार्क्सवाद, गांधीवाद, धर्मनिरपेक्षता, दलित चेतना, स्त्री विमर्श, आँचलिकता, महानगर बोध, लोकतंत्र और भारतीय सांविधानिक व्यवस्था ।	हिन्दी साहित्य के संबंध विशिष्ट मत वाद एवं विचार धारा : अस्तित्व वाद, आध्यात्मवाद, मार्क्सवाद, गांधीवाद, धर्मनिरपेक्षता, दलित चेतना, स्त्री विमर्श, आँचलिकता, महानगर बोध, लोकतंत्र और भारतीय सांविधानिक व्यवस्था ।
	ईकाई–४	साहित्य का समाजशास्त्र	साहित्य का समाजशास्त्र
		इतिहास दर्शन	इतिहास दर्शन
		मनोवैज्ञानिक अध्ययन	मनोवैज्ञानिक अध्ययन
		सांस्कृतिक अध्ययन	सांस्कृतिक अध्ययन
		कुल अंक एवं क्रेडिट	

अंक	क्रेडिट
नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – गांधीवाद – मनोविश्लेषणवाद – उत्तर आधुनिकतावाद – मार्क्सवाद – आध्यात्मवाद – धर्मनिरपेक्षता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट :
- ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
- ★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
- ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
- ★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
- ★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
संपादक : विनयकुमार पाठक
प्राप्ति स्थान : मित्तल एण्ड संस, ८०, विजय ब्लॉक, लक्ष्मीनगर, दिल्ली–११००९२

संदर्भ ग्रंथ :

(१) स्वरूप विमर्श (निबंध) – विद्यानिवास मिश्र – भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३ कूचाचेलान, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(२) परंपरा और परिवर्तन (निबंध) – श्यामचरण दुबे – भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३ कूचाचेलान, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(३) निबंध–क्रांति : हरिप्रसाद चतुर्वेदी – भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३ कूचाचेलान, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(४) भारतीय इतिहास : एक दृष्टि – ज्योतिप्रसाद जैन – भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३ कूचाचेलान, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(५) भाषा–साहित्य और देश – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी – भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३ कूचाचेलान, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(६) हिन्दी काव्य में भक्ति का स्वरूप – नित्यानंद शर्मा – भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३ कूचाचेलान, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(७) साहित्य परिवेश और चेतना – रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' – भारतीय ग्रंथ निकेतन, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(८) साहित्य का समाजशास्त्र – बी.डी. गुप्ता – भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३ कूचाचेलान, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(९) साहित्य दर्शन – शचीरानी – भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३ कूचाचेलान, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(१०) समकालीन साहित्य, नया परिदृश्य – सतीश जमाली – भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३ कूचाचेलान, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(११) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास – शंकर वसंत मुद्गल – भारतीय ग्रंथ निकेतन, दरियागंज, नई दिल्ली–२
(१२) परिधि पर स्त्री – मृणाल पाण्डे – राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ,जगगपुरी, नई दिल्ली–५१
(१३) परंपरा, इतिहास बोध और संस्कृति – श्यामचरण दुबे – राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ,जगगपुरी, नई दिल्ली–५१
(१४) दलितों के रूपांतरण की प्रक्रिया – नरेन्द्रसिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ,जगगपुरी, नई दिल्ली–५१
(१५) भक्ति काव्य की भूमिका – प्रेमशंकर – राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ,जगगपुरी, नई दिल्ली–५१
(१६) आधुनिकता और सृजनात्मक साहित्य – इन्द्रनाथ मदान – राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ,जगगपुरी, नई दिल्ली–५१
(१७) नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – गजानन मुक्तिबोध – राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ,जगगपुरी, नई दिल्ली–५१
(१८) अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य – राजेन्द्र यादव, अर्चना शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–२
(१९) हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–२
(२०) मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–२
(२१) भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–२
(२२) हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता एक तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एस. पी. शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–२
(२४) उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–२
(२६) साहित्य के बुनियादी सरोकार – कर्णसिंह चौहान – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–२
(२७) अस्तित्ववाद के गांधीवाद तक – मस्तराम कपूर – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–२
(२८) राष्ट्रीयता – गुलाबराय
(२९) व्यक्ति – चेतना और स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास – डॉ. पुरुषोत्तम दुबे
(३०) उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद – सुधीश पचौरी – हिमाचल पुस्तक भंडार, सरस्वती भंडार, गांधीनगर ,नई दिल्ली
(३१) हिन्दी साहित्य में विविध बाद – डॉ. प्रेमनारायण गुप्ता
(३२) हिन्दी साहित्य का इतिहास – महिमा गुप्त – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी									
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1001 (ऐच्छिक)									
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य की विविध विधाएँ									
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१७	०१	०३	०१	०३	०२	०३	०१		
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे								
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	EHN-1001 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

COs 1. छात्रगण साहित्य के विभिन्न स्वरूपों से परिचित होंगे ।

COs 2. छात्रगण नाथ-सिद्ध योगियों का दार्शनिक विचार से अवगत होंगे ।

COs 3. छात्रगण भारतीय धर्म-साधना में नाथों के योगदान को जानें ।

COs 4. छात्रगण भारत विभाजन की त्रासदी को जानें ।

COs 5. छात्रगण महाभारतकालीन शिक्षण-व्यवस्था से अवगत होंगे ।

COs 6. छात्रगण व्यंग्य साहित्य के स्वरूप को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	
अनुस्नातक	ईकाई-१	– नाथ सम्प्रदाय : उद्‌भव एवं विकास	– नाथ सम्प्रदाय में गोरखनाथ का स्थान
		– गोरखनाथ : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं विचारधारा	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'गोरखवाणी' का मूल्यांकन
		– गोरखनाथ का हठयोग	– गोरखनाथ का उपदिष्ट योग-मार्ग
		– गोरखनाथ की साधना-पद्धति	– गोरखनाथ की सहज-साधना
		– गोरखनाथ के दार्शनिक विचार	– गोरखनाथ की सामाजिक चेतना
		– 'गोरखबानी' में व्यक्त संदेश	– 'गोरखबानी' के संदर्भ में अन्य विचारकों के मत
	ईकाई-२	– कमलेश्वर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास का कथानक
		– 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन	– 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास में व्यक्त साम्प्रदायिकता
		– 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास में व्यक्त राजनैतिक चेतना	– उपन्यास कला के आधार पर 'कितने पाकिस्तान' का मूल्यांकन
		– 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास की समस्याएँ	– भारत विभाजन की त्रासदी और 'कितने पाकिस्तान'
		– 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास में व्यक्त नारी चेतना	– 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास का अन्त
	ईकाई-३	– शंकरशेष : व्यक्ति एवं कृतित्व	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का कथासार
		– नाट्यकला के आधार पर 'एक और द्रोणाचार्य' का मूल्यांकन	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन
		– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की प्रतिकात्मकता	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की मिथकीयता
		– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में पौराणिकता एवं कल्पना का समन्वय	– 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में शिक्षण व्यवस्था
	ईकाई-४	– हिन्दी व्यंग्य साहित्य : उद्‌भव एवं विकास	– हरिशंकर परसाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
		– हिन्दी व्यंग्य रचनाओं में हरिशंकर परसाई का स्थान	– हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचनाओं में राजनैतिक व्यंग्य
		– 'काग भगोडा' में सामाजिक चेतना	– 'काग भगोडा' हरिशंकर परसाई की व्यंग्य-दृष्टि
		– 'काग भगोडा' में निरूपित व्यंग्य निबंधों की भाषा-शैली	– 'काग भगोडा' में निरूपित व्यंग्य निम्बन्धों में भ्रष्टाचार

अंक	क्रेडिट
नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – गोरखनाथ का ब्रह्मविचार – गोरखनाथ की भाषा – गोरखनाथ की निर्गुण उपासना – 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास की भाषा शैली – 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास का शीर्षक की सार्थकता – 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास की संवाद योजना – 'कितने पाकिस्तान' उपन्यास का उद्देश्य – 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का उद्देश्य – 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की अभिनेयता – 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में संकलन-त्रय – 'काग भगोडा' शीर्षक की सार्थकता – 'काग भगोडा' का साहित्य रूप		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**			
पाठ्य पुस्तक : गोरखबानी संपादक : डॉ. पिताम्बरदत्त बड़थ्वाल प्राप्ति स्थान : हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, १२, सम्मेलन मार्ग, इलाहाबाद-३	पाठ्य पुस्तक : कितने पाकिस्तान लेखक : कमलेश्वर प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : एक और द्रोणाचार्य लेखक : शंकर शेष प्राप्ति स्थान : परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : कागभगौडा लेखक : हरीशंकर परसाई प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, २१-ए, दयानांद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - ११०००२

संदर्भ ग्रंथ :

(१) नाथ-सम्प्रदाय - हजारीप्रसाद द्विवेदी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-१

(२) उत्तरी भारत की सन्त परम्पर - परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग

(३) संतसाहित्य के प्रेरणा स्रोत - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

(४) गोरक्ष पद्धति - अनु. पण्डित महीश्वर शर्मा

(५) सन्त काव्य की सामाजिक प्रासंगिकता - रवीन्द्रकुमार सिंह - वाणी प्रकाशन, दिल्ली

(६) हिन्दी नाटक : प्रयोग के संदर्भ में - डॉ. सुषमा बेदी - सूर्य प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली

(७) समकालीन हिन्दी नाटक : डॉ. सुन्दरलाल कथूरिया - भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्लि

(८) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक : समस्या और समाधान - डॉ. दिनेशचंद्र शर्मा - पंचशील प्रकाशन, जयपुर

(९) हिन्दी निबंध के सौ वर्ष : डॉ. मृत्युंजय उपाध्याय - भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

(१०) हिन्दी ललित निबंध : स्वरूप एवं मूल्यांकन - संतराय देरावाला - पंचशील प्रकाशन, जयपुर

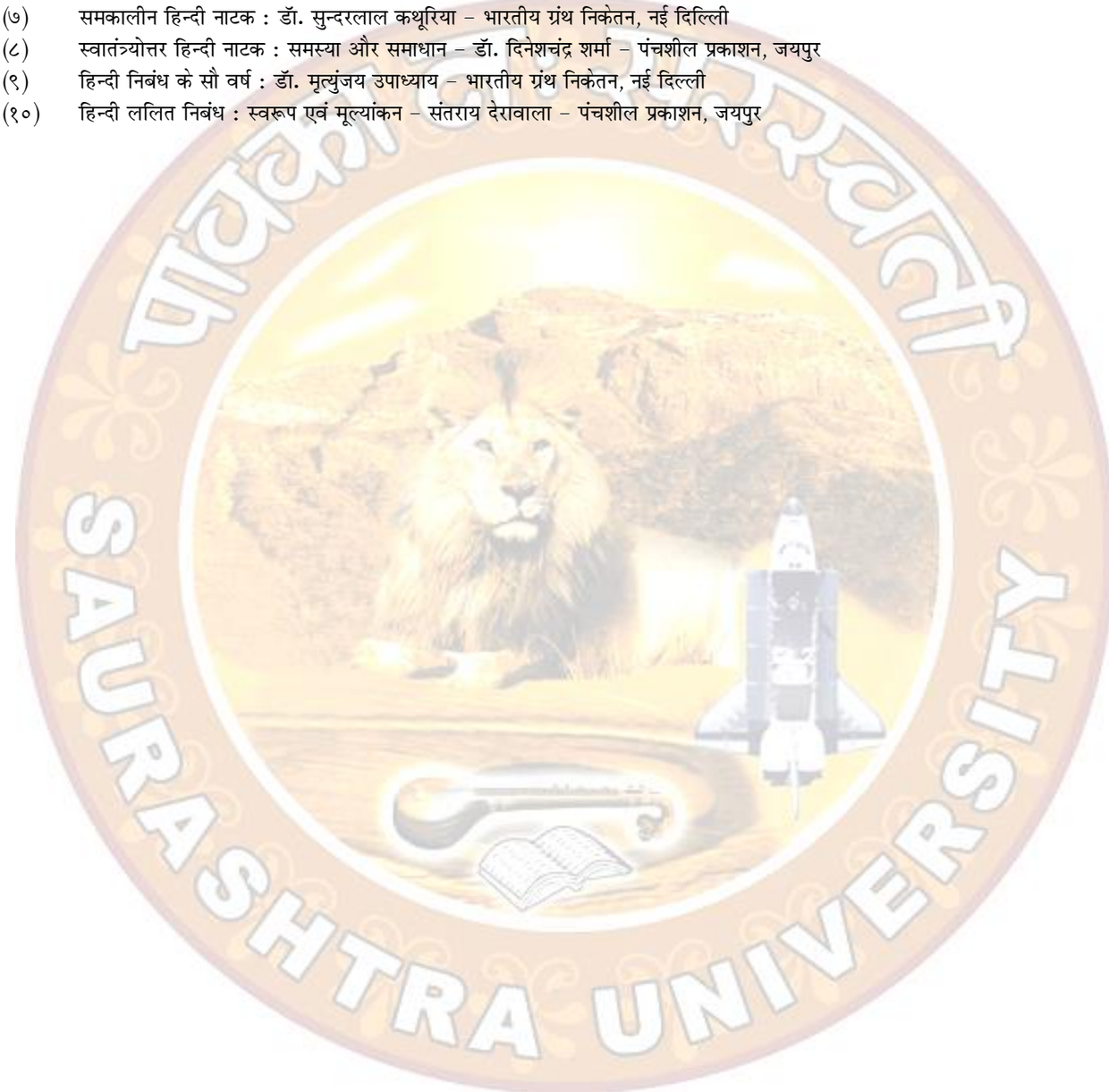

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(हन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी									
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1001 (ऐच्छिक)									
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्रशिष्ट कृतियाँ									
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१७	०१	०३	०१	०३	०२	०३	०२		
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे								
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	EHN-1001 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
COs 1. छात्रगण साहित्य के विभिन्न स्वरूपों से परिचित होंगे ।
COs 2. छात्रगण नाथ–सिद्ध योगियों का दार्शनिक विचार से अवगत होंगे ।
COs 3. छात्रगण भारतीय धर्म–साधना में नाथों के योगदान को जानें ।
COs 4. छात्रगण भारत विभाजन की त्रासदी को जानें ।
COs 5. छात्रगण महाभारतकालीन शिक्षण–व्यवस्था से अवगत होंगे ।
COs 6. छात्रगण व्यंग्य साहित्य के स्वरूप को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	– मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'साकेत' का कथानक
		– 'साकेत' की उर्मिला का चरित्र चरित्रांकन	– 'साकेत' के नवम् सर्ग का काव्य–सौन्दर्य
		– 'साकेत' में व्यक्त विचारधारा	– महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'साकेत' का मूल्यांकन
		– राम का चरित्र चरित्रांकन	– 'परिवेशगत 'साकेत' का मूल्यांकन
	ईकाई–२	– कालिदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– अभिज्ञान शाकुन्तलम्' का कथानक
		– शकुन्तला का चरित्र चरित्रांकन	– दुष्यन्त का चरित्र चरित्रांकन
		– 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' का तत्त्वों के आधार पर मूल्यांकन	– 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' में व्यक्त विचारधारा
	ईकाई–३	– हरिन्द्र दवे : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'माधव क्यांय नथी' का कथानक
		– 'माधव क्यांय नथी' के श्री कृष्ण	– 'माधव क्यांय नथी' के नारद मुनी
		– 'माधव क्यांय नथी' में प्रयुक्त कल्पना	– 'माधव क्यांय नथी' में विचारधारा
	ईकाई–४	– इब्सन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'गुडिया का घर' काव्य–नाटक का कथानक
		– तत्वों के आधार पर 'गुडिया का घर' उपन्यास का मूल्यांकन	– 'गुडिया का घर' में व्यक्त विचारधारा
		– 'गुडिया का घर' के प्रमुख–चरित्र	– 'गुडिया का घर' में व्यक्त मनोविज्ञान

अंक	क्रेडिट
नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	०१
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'साकेत' के शीर्षक की सार्थकता – लक्ष्मण का चरित्र चरित्रांकन –'साकेत' की प्रासंगिकता – 'साकेत' में निरूपित नारी–विमर्श – 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' शीर्षक की सार्थकता – 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' की रस–योजना – 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' में प्रयुक्त कल्पना – 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' की अनसूया एवं प्रियंवदा – 'माधव क्यांय नथी' के शीर्षक की सार्थकता – 'माधव क्यांय नथी' में व्यक्त अध्यात्मिकता – 'माधव क्यांय नथी' की प्रासंगिकता – 'माधव क्यांय नथी' का उद्देश्य – 'गुडिया का घर' शीर्षक की सार्थकता – 'गुडिया का घर' की प्रासंगिकता – 'गुडिया का घर' की उद्देश्य – 'गुडिया का घर' व्यक्त संवाद–चेतना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : साकेत संपादक : मैथिलीशरण गुप्त प्राप्ति स्थान : साहित्य सदन, चीरगांव, झांसी	पाठ्य पुस्तक : अभिज्ञान शाकुन्तलम् संपादक : कालिदास प्राप्ति स्थान : सरस्वती प्रकाशन, अहमदाबाद	पाठ्य पुस्तक : माधव क्यांय नथी संपादक : हरिन्द्र दवे प्राप्ति स्थान : पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद	पाठ्य पुस्तक : गुडिया का घर संपादक : इब्सन प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) मैथिलीशरण गुप्त और उसका साहित्य – दानबहादुर पाठक – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
(२) अतीत के हंस : मैथिलीशरण गुप्त – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
(३) कविवर मैथिलीशरण गुप्त और साकेत – डॉ. ब्रजमोहन शर्मा – जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर
(४) 'साकेत' : एक अध्ययन – डॉ. दानबहादुर पाठक – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
(५) मैथिलीशरण गुप्त और उनका साकेत –डॉ. उषा यादव – प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ ।

प्रथका नः सरस्वती
SAURASHTRA UNIVERSITY

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(हन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

नोट : ★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के लिए है ।

★ प्रस्तुत पाठ्यक्रम से प्रश्नपत्र पूछा नहीं जाएगा ।

★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के शोध–प्रशिक्षण के लिए है ।

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1003 (मुख्य)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	लघुशोध प्रबंध (व्यावहारिक)							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१७	०१	०३	०१	०३	०२	०४	०१

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	CHN-1003 (मुख्य)	०४	२००	–	२००

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	
अनुस्नातक	ईकाई–१	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – प्रथम बैठक	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – द्वितीय बैठक
	ईकाई–२	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – तृतीय बैठक	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – चतुर्थ बैठक
	ईकाई–३	शोधकर्ता एवं विषय निष्णांत – पंचम बैठक	शोधकर्ता एवं भवनाध्यक्ष – षष्ठ बैठक
	ईकाई–४	शोधकर्ता एवं सह् निर्देशक – सप्तम् बैठक	शोधकर्ता एवं परीक्षणकर्ता – अष्टम् बैठक
		अंक	क्रेडिट
		नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी
		केवल लघु–शोधप्रबंध तैयार करना होगा । २०० अंक बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन होगा ।	०४
		२००	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय
स्नातक	शोध–प्रपत्र	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा ।
	सेमिनार	किसी तीन सेमिनार में उपस्थित रहना होगा ।